

॥ श्रीः ॥

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला

505



क१/२५६/१

श्रीरघुनाथतर्कवागीशप्रणीतः

आगमतत्त्वविलासः

भाषाभाष्यसंवलितः

[द्वितीयो भागः]

भाषाभाष्यकारः

श्री एस० एन० खण्डेलवाल



चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

वाराणसी



क१/६९२' २

विषयानुक्रमः

विषय	पृष्ठाङ्क	विषयाः	पृष्ठाङ्काः
दैनिक कृत्य	१	अष्टादश उपचार	१००
स्नान	१५	षोडश उपचार	१००
तर्पण	१९	दश उपचार	१०१
सूर्यार्घ्य-दान	२३	पञ्चोपचार	१०१
गायत्री	२७	मणि आदि द्रव्य-निर्माल्यकाल	१०२
गायत्री-ध्यान	३०	आसन	१०३
तिलक	३४	पाद्य	१०३
पादप्रक्षालन-विधि	३८	अर्घ्य	१०४
आचमन-विधि	४३	आचमनीय	१०४
आचमन के निमित्त	४६	मधुपर्क	१०६
द्विराचमन के निमित्त	४७	गन्ध	१०८
आसन	५०	पुष्प	१०८
पूजादि में मुख का नियम	५३	धूप	१२१
भूतशुद्धि	५६	दीप	१२२
मात्रा-लक्षण	६२	नैवेद्य	१२४
मातृकान्यास	६४	उपचार-परिभाषा	१२८
अन्तर्मातृकान्यास	६५	प्रदक्षिणा-नमस्कार	१३०
बाह्य मातृकाध्यान	६८	नैमित्तिकादि के अभाव में प्रायश्चित्त	१३५
संहार मातृकान्यास	७१	शुद्धियाँ	१३७
प्राणायाम	७३	अपराध	१३८
पीठन्यास	७६	वाद्य	१३९
ऋष्यादि न्यास	७८	योगाङ्गासन	१४०
अर्घ्यस्थापन	८३	धारण यन्त्र	१४२
अर्घ्यस्थापन की परिपाटी	८६	घटार्गल यन्त्र	१४२
धूपादि विसर्जनान्त कर्म	९३	त्वरिता यन्त्र	१४६
सामान्यार्घ्य	९८	विन्ध्यवासिनी यन्त्र	१४७

विषय	पृष्ठाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
काली यन्त्र	१४८	तारा एवं श्यामामन्त्र का प्रयोग	१७५
महालक्ष्मी यन्त्र	१५०	तारामन्त्र का प्रयोग	१७७
त्रैपुर यन्त्र	१५२	तर्पण	१७८
गणेश यन्त्र	१५३	आकर्षण	१८१
श्रीराम यन्त्र	१५४	वशीकरण	१८३
श्रीनृसिंह यन्त्र	१५५	विद्वेषण	१८३
श्रीगोपाल यन्त्र	१५५	उच्चाटन	१८७
देवकीपुत्र कृष्णयन्त्र	१५७	स्तम्भन	१८९
शिव यन्त्र	१५८	अभिचार	१८९
मृत्युञ्जय यन्त्र	१५९	षट्कर्म-लक्षण	१९१
तारा यन्त्र	१५९	आसन	१९५
यन्त्रलेखन द्रव्य	१६१	भूतों का उदय	२००
संक्षेप में सर्वदेव-नित्यपूजा	१६२	भूतों के मण्डल आदि	२०१
पञ्चायतनी पूजा	१६२	जप-निरूपण	२०३
नैमित्तिक-विधि	१६७	जप का क्रम	२०५
प्रयोग-विधि	१७०	सप्तच्छदा	२१३
भुवनेश्वरीमन्त्र का प्रयोग	१७०	अमृता	२१४
त्वरितामन्त्र का प्रयोग	१७०	जप का प्रयोग	२२६
दुर्गामन्त्र का प्रयोग	१७१	जप का फल	२२९
सरस्वतीमन्त्र का प्रयोग	१७१	युगसेवा का नियम	२३१
लक्ष्मीमन्त्र का प्रयोग	१७२	पुरश्चरण	२३१
गणेशमन्त्र का प्रयोग	१७२	पुरश्चरण में भक्ष्यादि का नियम	२३३
सूयमन्त्र का प्रयोग	१७२	पुरश्चरण जपकाल-विधि	२४१
राममन्त्र का प्रयोग	१७३	कूर्मचक्र	२४४
श्रीकृष्णमन्त्र का प्रयोग	१७३	पुरश्चरण-होम आदि	२४६
दधिवामनमन्त्र का प्रयोग	१७३	पुरश्चरण के प्रयोग	२७५
वराहमन्त्र का प्रयोग	१७३	ग्रहण पुरश्चरण-विधि	२७७
नृसिंहमन्त्र का प्रयोग	१७३	रहस्य पुरश्चरण	२७८
भैरवीमन्त्र का प्रयोग	१७४	वीर-साधन	२८२
सुन्दरीमन्त्र का प्रयोग	१७४	चिता-लक्षण	२८३
छिन्नमस्तामन्त्र का प्रयोग	१७४	अधिकारि-लक्षण	२८३

विषय	पृष्ठाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
शव-साधन	२९०	मन्त्रदोष-शान्ति	३३५
शवसाधन-प्रयोग	२९०	बाल-संस्कार	३३८
ग्राह्य शवनिर्णय	२९१	कुलाचार-निरूपण	३४२
योगिनी-साधन	३०२	कुलवारादि का नियम	३५०
मनोहरा-साधन	३०४	पीठ-उपपीठ आदि	३५४
कनकावती-साधन	३०५	भाव का रहस्य	३६१
कामेश्वरी-साधन	३०७	अन्तर्याग	३६८
रतिसुन्दरी-साधन	३०८	अन्तर्याग के अन्य प्रकार	३७०
पद्मिनी-साधन	३०९	कुमारीपूजा	३७५
नटिनी-साधन	३०९	दूतीयाग	३७८
मधुमती-साधन	३१०	यजन के प्रकार	३८०
प्रमोदा-साधन	३१२	शक्तिशोधन	३८३
इन सबकी मुद्रायें	३१३	वीरों का पुरश्चरण	३८९
षट्किन्नरी-साधन	३१४	मांसादि का निर्णय	३९९
मनोहारी-साधन	३१४	वामाचार अनुकल्प	४००
सुभगा-साधन	३१५	पूजा का आधार	४०४
विशालनेत्रा-साधन	३१५	यन्त्रदर्शन का फल	४०८
सुरतप्रिया-साधन	३१५	चक्रपादोदक-माहात्म्य	४०९
सुमुखा-साधन	३१६	यन्त्रादि के नष्ट होने पर प्रायश्चित्त	४०९
दिवाकरमुखी-साधन	३१६	पाँच प्रकार की शुद्धि	४१३
पिशाची-साधन	३१७	कुण्ड-निर्णय	४१५
उल्कामुखी-साधन	३१७	स्थण्डिल-लक्षण	४३२
खरमुखी-साधन	३१७	हस्त का प्रमाण	४३५
मधुमती एवं पिशाची-साधन	३१८	होमादि की सङ्ख्या	४३७
यक्षिण्यादि-साधन का समयनिर्णय	३२०	अग्नि का लक्षण	४४०
अदर्शन-सिद्धि	३२०	होमीय द्रव्य का परिमाण	४४३
अन्य प्रकार की सिद्धियाँ	३२१	कर्षादि मान	४४५
मन्त्रसिद्धि का लक्षण	३२३	नित्य होम	४४६
मन्त्रसिद्धि के उपाय	३२४	बृहत् होम पद्धति	४४८
मन्त्रों के दोष	३२८	संक्षिप्त होमप्रयोग	४५९